अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 निवेशक का हित...
6 गिल को आईसीसी ने दिया बड़ा अवॉर्ड.....
7 धरती को जीने योग्य बनाए रखने के लिए वनों और वन्य जीवों का संरक्षण

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-06 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 14 फरवरी से 20 फरवरी 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

तुर्की में 12 हजार इमारतें तबाह, घटिया निर्माण को लेकर बिल्डर्स पर एक्शन शुरू, 130 गिरफ्तार

तुर्की में भूकंप से हजारों इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं. ऐसे में इन इमारतों के ठेकेदारों और बिल्डर पर मटेरियल की गुणवत्ता और सुरक्षामानकों को लेकर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं. तुर्की प्रशासन की ओर से अब तक 131 बिल्डर और ठेकेदारों के खिलाफ वारंट जारी किया गया था. इनमें से 130 को गिरफ्तार किया जा चुका है. इन बिल्डर्स पर तुर्की के अलग अलग शहरों में घटिया इमारतें बनाने का आरोप लगा है.

तुर्की और सीरिया में भूकंप से तबाही जारी है. यहां पिछले सोमवार यानी 6 फरवरी को आए 7.8 तीव्रता के भूकंप से अब तक 34000 लोगों की मौत हो गई. तुर्की में भूकंप से 12 हजार से ज्यादा इमारतें तबाह हो गई हैं. ऐसे में अब तुर्की की सरकार एक्शन में आ गई है. यहां घटिया इमारतें बनाने वाले बिल्डर-ठेकेदारों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है. अब तक 130 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

तुर्की में भूकंप से 12 हजार से ज्यादा इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं. जबकि लाखों इमारतों को नुकसान पहुंचा है. ऐसे में इन इमारतों के ठेकेदारों और बिल्डर पर मटेरियल की गुणवत्ता और सुरक्षामानकों को लेकर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं. तुर्की प्रशासन की ओर से अब तक 131 बिल्डर और ठेकेदारों के खिलाफ वारंट जारी किया गया था. इनमें से 130 को गिरफ्तार किया जा चुका है. इन बिल्डर्स पर तुर्की के अलग अलग शहरों में घटिया इमारतें बनाने का आरोप लगा है. इनकी बनाई हुई ज्यादातर इमारतें सोमवार को आए शक्तिशाली भूकंप के बाद तबाह हो गईं.

तुर्की में अब तक हजारों इमारतें तबाह हुई हैं. इनमें 29,605 लोगों की मौत हुई है. इतना ही नहीं हजारों लोग घायल हुए हैं. तुर्की में विशेषज्ञों का मानना है कि भूकंप की वजह से हुए भीषण नुकसान की एक वजह घटिया निर्माण है. अगर सरकार ने सही समय पर कदम उठाए होते, तो इस तरह के नुकसान से बचा जा सकता था.

16 फरवरी को नहीं होगा मतदान

मनोनीत सदस्य वोटिंग कर सकते हैं या नहीं? सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

एमसीडी मेयर पद का चुनाव कराने की तीन कोशिशें सदन में हंगामे के कारण विफल हो चुकी हैं. अब उपराज्यपाल ने 16 फरवरी को बैठक बुलाने की मंजूरी दी थी

एमसीडी मेयर पद चुनाव मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 17 फरवरी को सुनवाई होगी. फिलहाल 16 फरवरी को मतदान नहीं होगा. सोमवार (13 फरवरी) को हुई सुनवाई में उपराज्यपाल कार्यालय की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि चुनाव कोर्ट की सुनवाई के बाद ही करवाया जाएगा. आम आदमी पार्टी की तरफ से दाखिल याचिका में प्रोटेम सभापति बदलने और मनोनीत पार्षदों को मतदान से अलग रखने की मांग की गई है.

इस पर चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच ने पिछले हफ्ते उपराज्यपाल कार्यालय और प्रोटेम सभापति सत्या शर्मा को नोटिस जारी किया था. सोमवार को कोर्ट के पास समय की कमी होने के चलते विस्तृत सुनवाई नहीं हो सकी.

एमसीडी मेयर चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

मामले पर थोड़ी देर चली सुनवाई के दौरान आम आदमी पार्टी की मेयर प्रत्याशी शैली ओबेरॉय के लिए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने जिरह की. उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 243 क्र के तहत मनोनीत सदस्यों को सदन में वोटिंग में हिस्सा लेने का अधिकार नहीं है. दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट की धारा 3 में भी यही लिखा है. चीफ जस्टिस ने इससे सहमति जताते हुए कहा कि संविधान का प्रावधान स्पष्ट है, लेकिन प्रोटेम सभापति के लिए पेश वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि मनोनीत सदस्य भी वोट डाल सकते हैं. इससे जुड़ी कानूनी स्थिति पर वह दलील रखना चाहते हैं.

कांग्रेस-लेफ्ट त्रिपुरा को बर्बाद कर देंगे, पूर्ण बहुमत वाली सरकार चाहिए, अगरतला में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार (13 फरवरी) को त्रिपुरा के अगरतला के स्वामी विवेकानंद मैदान में एक जनसभा में शामिल हुए. उन्होंने इस दौरान विपक्षियों पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस-लेफ्ट त्रिपुरा को बर्बाद कर देंगे, पूर्ण बहुमत वाली सरकार चाहिए. पीएम ने कहा कि इस चुनाव में मुझे जहां भी जाने का अवसर मिला है मैंने देखा है कि फिर एक बार बीजेपी की सरकार बनाने का मन त्रिपुरा के लोगों ने बना लिया है. पीएम मोदी ने अगरतला में रोड शो भी किया.

अल्लाह और ओम को एक बताने पर धार्मिक विवादों का अखाड़ा बना सद्भावना मंच

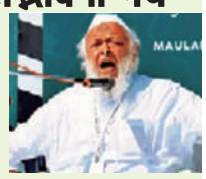

नई दिल्ली,। रामलीला मैदान में जमीयत उलेमा-ए-हिंद का तीन दिवसीय महाधिवेशन के अंतिम दिन रविवार को विवादों का अखाड़ा बन गया। धार्मिक सद्भावना को लेकर आयोजित सम्मेलन में हिंदू व अन्य गैर-मुस्लिम धर्मगुरुओं की मंच पर मौजूदगी के दौरान जमीयत के अरशद गुट के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने 'अल्लाह' और 'ओम' को एक बता दिया।

अधिवेशन के आयोजक जमीयत के प्रमुख महमूद मदनी ने एक दिन पहले जिस संघ प्रमुख मोहन भागवत को संवाद के लिए न्योता दिया था, उन पर भी अरशद मदनी ने गंभीर टिप्पणी कर दी। इससे विवाद इतना बढ़ा कि मदनी को शास्त्रार्थ की चुनौती देकर जैन धर्मगुरु लोकेश मुनि व अन्य धर्मगुरु मंच से उतर गए।

मदनी ने उन्हें मेहमान बताकर रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं रुके। लोकेश मुनि ने दावा किया कि मंच से उतरते समय उन पर हमले की कोशिश की गई, लेकिन कुछ लोगों ने बचा लिया। जैन मुनि ने जब मंच से अरशद मदनी के बयान का विरोध किया, तब दर्शक दीर्घा से उनके खिलाफ नारे लगे थे। महाधिवेशन के आखिरी दिन धार्मिक सद्भावना सम्मेलन में मंच पर मौलाना महमूद मदनी, जैन मुनि आचार्य लोकेश, परमार्थ निकेतन के प्रमुख स्वामी चिदानंद सरस्वती, सिख धर्मगुरु सरदार चंडोक सिंह भी मौजूद थे।

बागेश्वर धाम में लगानेताओं का तांता, आज पहुंचे कमलनाथ, 18 फरवरी को सीएम शिवराज के दौरे की खबर

बागेश्वर धाम और उसके पीठाधीश धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री काफी चर्चा में हैं। बागेश्वर के दरबार में पावरफुल नेताओं का जमावड़ा लगा हुआ है। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने आज बागेश्वर धाम के दर्शन किए हैं।

नई दिल्ली- बागेश्वर धाम और उसके पीठाधीश धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बीते कुछ समय से काफी चर्चा में हैं। हालही में धीरेंद्र इंडिया टीवी के प्रसिद्ध कार्यक्रम आप की अदालत में भी दिखाई दिए। यहां उन्होंने सनातन और हिंदू राष्ट्र समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस बीच ताजा खबर ये मिली है कि बागेश्वर धाम के दरबार में पावरफुल नेताओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। आज यानी सोमवार को मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता कमलनाथ बागेश्वर धाम के दर्शन करने पहुंचे, वहीं खबरें ये भी हैं कि मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान 18 फरवरी को बागेश्वर धाम के दर्शन करने के लिए जा सकते हैं।

सभी पाना चाहते हैं बागेश्वर धाम का सानिध्य

मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ आज बागेश्वर धाम के दर्शन करने पहुंचे थे। इसके बाद खबर आई कि वर्तमान सीएम शिवराज सिंह चौहान भी 18 फरवरी को बागेश्वर धाम के दर्शन करने के लिए पहुंच सकते हैं। इससे पहले मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने बागेश्वर धाम के महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को अपने बेटे जैसा माना था। उन्होंने कहा था कि धीरेंद्र शास्त्री एक तपस्वी और अलौकिक हैं।बता दें कि बागेश्वर धाम में 13 से 19 फरवरी तक धर्म महाकुंभ लग रहा है। जिस वजह से यहां भक्तों की लाखों की भीड़ जुट रही है। 18 फरवरी को यहां 121 बेटियों की शादी भी करवाई जानी है।

बड़े-बड़े नेता बागेश्वर की महिमा के आगे नतमस्तक

ऐसा नहीं है कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और बागेश्वर धाम पर श्रद्धा रखने वाले लोग केवल सत्ताधारी पार्टी में ही हैं। उन पर आस्था रखने वालों में विपक्षी पार्टियों के भी कई नेता हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस समेत नेताओं की ये लिस्ट काफी लंबी है। हर दिन कोई नया नेता बाबा के समर्थन में खड़ा दिखाई देता है। हालांकि बाबा की आलोचना करने वाले नेताओं की भी कमी नहीं है।

सम्पादकीय

निवेशक का हित

अडाणी समूह पर 'हिंडनबर्ग रिसर्च' का खुलासा सामने आने के बाद स्वाभाविक ही आर्थिक हलकों में एक तरह की अनिश्चितता और उथल-पुथल देखी जा रही है।

इसमें अडाणी समूह को हुए तात्कालिक नुकसान से जाहिर है कि उसके कारोबार को लेकर विश्वसनीयता में तेज गिरावट आई है। मगर इस सबके बीच अहम पक्ष यह है कि अडाणी समूह के कारोबार पर भरोसा करके पैसा लगाने वाले आम निवेशकों की पूंजी कितनी सुरक्षित है या फिर उस पर कितना जोखिम है।

इसी के मद्देनजर दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने शेयर बाजार में निवेशकों को हुए नुकसान पर चिंता जताई। साथ ही अदालत ने केंद्र सरकार और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड यानी सेबी से पूछा कि मौजूदा नियामक तंत्र को कैसे मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में निवेशकों के हित को सुरक्षित रखा जा सके। गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद बाजार में मची उथल-पुथल के बीच अडाणी समूह के शेयरों की कीमतों में लगातार गिरावट आ रही है और कंपनी के मूल्य में भारी कमी आई है।

यह जगजाहिर तथ्य है कि आज बाजार का जो स्वरूप हो चुका है, उसमें पूंजी भारत से निर्बाध रूप से कहीं भी आ-जा रही है। एक तरह से ज्यादातर लोग अब बाजार में हैं और ऐसे में सबसे ज्यादा जोखिम में वह आम निवेशक है, जो भरोसा करके कहीं भी कुछ निवेश करता है। अगर इस समूची गतिविधि में निवेशकों के हित की सुरक्षा के लिए कोई मजबूत तंत्र नहीं होगा, तो यह ढांचा ढह सकता है और इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम लोगों को ही होगा।

इस लिहाज से देखें तो निवेशकों के पक्ष से सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल वाजिब है कि हम कैसे सुनिश्चित करेंगे कि वे सुरक्षित हैं और भविष्य में ऐसा फिर नहीं होगा। यों सेबी ने अदालत को बताया है कि बाजार नियामक और अन्य वैधानिक निकाय आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं, मगर अर्थतंत्र और शेयर बाजार की जटिलताओं को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि इस संबंध में एक सुचिंतित व्यवस्था की जरूरत तुरंत है।

दरअसल, 'हिंडनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट में अडाणी समूह पर पूंजी और कंपनी के आंकड़ों से जुड़ी अनियमितताओं के जैसे आरोप लगाए गए, उसे अडाणी समूह ने दुर्भावनापूर्ण बता कर खारिज कर दिया। मगर सिर्फ इतने भर से इसके कई तरह के असर सामने आने तय हैं।

शायद इसी तरह की आशंकाओं के मद्देनजर अदालत की पीठ ने निवेशकों की सुरक्षा के लिए मजबूत नियामक तंत्र को लागू करने के अलावा एक विशेषज्ञ समिति का भी प्रस्ताव रखा है, जिसमें प्रतिभूति क्षेत्र, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ और एक पूर्व न्यायाधीश के रूप में मार्गदर्शक व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। 'हिंडनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट का असर कितने वक्त रहेगा और किस अन्य रूप में सामने आएगा, कहा नहीं जा सकता।

लेकिन अब तक बाजार में जो उतार-चढ़ाव हुआ है, उसकी जटिलताओं पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देने की वजह से सामान्य निवेशकों को इसका खमियाजा उठाना पड़ सकता है। इसके अलावा, यह भी माना जा रहा है कि संबंधित बैंकों और सेबी को भी इससे नुकसान हो सकता है। हालांकि इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि अतीत में ऐसे मामलों के बावजूद शेयर बाजार संभला है। इसी संदर्भ में आम निवेशकों के हित में सुप्रीम कोर्ट ने जो सवाल उठाए हैं, अगर उसका कोई

संपादक
गोपाल गावंडे

श्रमबल में महिलाओं की जगह

भारत को रोजगार के क्षेत्र में लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास करने की जरूरत है।

भारत में महिलाओं के रोजगार के लिए कृषि भी एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र रहा है, मगर पिछले तीन दशकों में देश में कृषि-रोजगार में भारी गिरावट देखने को मिली है। ऐसे में अक्सर लोग कृषि से हटकर अनौपचारिक और आकस्मिक रोजगार की ओर पलायन कर रहे हैं, जहां काम काफी छिटपुट और प्रायः तीस दिनों से भी कम का होता है।

किसी भी देश के विकास का पैमाना इस बात से भी तय होता है कि उसमें महिला श्रमबल की भागीदारी कितनी है। भारत में पिछले कुछ दशकों में महिलाओं ने भले कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है, लेकिन समाज के साथ-साथ श्रम भागीदारी में आज भी उनकी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। हमारे यहां महिला को सिर्फ घर संभालने वाले सदस्य के तौर पर देखा जाता है, जबकि पुरुष को कमाऊ सदस्य के तौर पर। यानी प्राचीन समय से चली आ रही लिंगभेद की परंपरा अब भी बरकरार है और लगता नहीं कि यह पूरी तरह खत्म हो सकेगी।

हालांकि बीते दो दशक में वैश्विक स्तर पर महिलाओं की शिक्षा के स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है, साथ ही प्रजनन दर में गिरावट देखने को मिल रही है। इन दोनों कारकों के चलते दुनिया भर में वैतनिक श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। हालांकि भारत के मामले में स्थिति सामान्य और स्पष्ट नहीं है। भारत का सामाजिक ढांचा शुरू से ही अलग रहा है, जिसमें महिलाओं को घर की दहलीज लांघने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है।

फिर भी आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण 2018-19 के मुताबिक पंद्रह वर्ष से अधिक आयु वर्ग की महिला श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) ग्रामीण क्षेत्रों में तकरीबन 26.4 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 20.4 प्रतिशत है। बीते वर्षों में लैंगिक समानता की दिशा में सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को कोरोना महामारी ने काफी प्रभावित किया है, जिसके चलते महिलाओं और लड़कियों के समक्ष मौजूद असमानता की गहरी खाई और चौड़ी हुई है।

विश्व स्तर पर देखें तो लगभग आधी महिला आबादी काम करती है। हाल ही में कई देशों में महिला श्रमबल में वृद्धि के कारण रोजगार में महिला और पुरुषों के बीच का अंतर कम हुआ है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट 'विश्व रोजगार और सामाजिक दृष्टिकोण-रुझान 2020' में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश और उत्तरी अफ्रीका के देशों- मोरक्को, मिस्र और ट्यूनीशिया में भी यही स्थिति है। सामाजिक स्तर पर महिलाओं की खराब स्थिति के चलते ही उनका रोजगार जनसंख्या औसत भी बेहद खराब श्रेणी में है, जो खुले तौर पर लैंगिग असमानता को प्रदर्शित करता है। फिर भी, भारत की बाजार अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी के रुझान इसके विपरीत दिशा में बढ़ रहे हैं। तीव्र प्रजनन क्षमता के बावजूद, महिलाओं द्वारा शिक्षा अर्जित करने में व्यापक वृद्धि हुई है और पिछले दो दशक में पर्याप्त आर्थिक विकास हुआ है, फिर भी काम करने वाली भारतीय महिलाओं की हिस्सेदारी समय के साथ कम हो गई है। भारत को रोजगार के क्षेत्र में लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास करने की जरूरत है। इन प्रयासों में आर्थिक अवसर, कानूनी संरक्षण और भौतिक सुरक्षा जैसे कारक सम्मिलित होंगे। गौरतलब है कि महिलाएं पहले से हमारी अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं और अनौपचारिक क्षेत्र में कम पारिश्रमिक वाली नौकरियां कर रही हैं। ऐसे में उनमें उचित कौशल निर्माण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।भारत सरकार कौशल प्रशिक्षण पर जोर देती रही है। महिलाएं शहर के लिए आवश्यक कुछ सेवाएं प्रदान करने की दृष्टि से उपयुक्त हैं। हालांकि महिलाओं को काम के परंपरागत क्षेत्रों तक ही सीमित रखने का कोई कारण नहीं है। वे अगर उचित कौशल से युक्त हों, तो उनमें परंपरगत रुकावटों को दूर करने और नए रोजगार में खुद को बेहतर साबित करने की स्वाभाविक योग्यता होती है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था चूंकि शहरों पर आधारित होती जा रही है, इसलिए महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन भी मजबूरन शहरों को केंद्र में रखकर ही करना पड़ेगा। मगर अगर सरकार का उद्देश्य अपने कार्यबल में महिलाओं का काफी बड़ा अनुपात शामिल करना है, तो अपने यहां शहरी सेवाओं में मौजूद खामियों को दूर करना होगा। महिलाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जोड़ना होगा।

जिन महिलाओं का संपर्क शहरों तक नहीं हो पाता, उनके घर के पास और उनकी इच्छा की समयावधि में काम को तरजीह देनी चाहिए। इसके लिए पहले से महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत उन्हें पहले से तय मजदूरी की दर पर सौ दिनों का रोजगार देने का प्रावधान है। मगर 2018 में एक सर्वेक्षण से पता चला कि ऐसे कामों में महिलाओं की भागीदारी कम हो रही है।

ग्रामीण समाज में यह अधिक स्पष्ट तौर पर दिखता है। परिवार का आकार घटने और दबाव में ग्रामीण पुरुषों के होने वाले पलायन की वजह से महिलाओं के बगैर भुगतान वाले काम बढ़ गए हैं। ओईसीडी की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय महिलाएं हर दिन औसतन 352 मिनट घरेलू कामों में लगाती हैं। पुरुष बगैर भुगतान वाले काम में जितना वक्त लगाते हैं, उसके मुकाबले यह 577 फीसद अधिक है। यह आपूर्ति की समस्या है, जिसका समाधान किया जाना चाहिए।

अक्सर देखा गया है कि इसकी मार गरीबों पर अधिक पड़ती है। बगैर भुगतान वाले कार्यों में लगी होने की वजह से महिलाएं रोजगार के लिए जरूरी शिक्षा और कौशल हासिल नहीं कर पाती हैं। इससे वे कार्यबल से लगातार बाहर बनी रहती हैं। ऐसे में बुजुर्गों और बच्चों की देखरेख के लिए आश्रय बनने चाहिए, ताकि श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सके।

ग्रामीण भारत में इस समस्या के समाधान के लिए यह जरूरी है कि श्रमिकों की मांग से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाए। साथ ही इसके लिए लैंगिक जरूरतों के हिसाब से नीतियां बननी चाहिए, ताकि महिलाओं पर बगैर भुगतान वाले कार्यों का बोझ कम हो। इसका समाधान किए बगैर श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना आसान नहीं होगा। अक्सर महिलाओं का काम करना हमारे पुरुष प्रधान समाज में उनके पति की असमर्थता के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा भारतीय समाज में ऐसी रूढ़िवादी धारणा भी काफी प्रबल है, जो यह मानती है कि एक महिला का स्थान केवल घर और रसोई तक सीमित है और अगर वह सामाजिक रूप से स्वीकृत दायरे से बाहर कदम रखती है, तो इससे हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

भारत में महिलाओं के रोजगार के लिए कृषि भी एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र रहा है, मगर पिछले तीन दशकों में देश में कृषि-रोजगार में भारी गिरावट देखने को मिली है। ऐसे में अक्सर लोग कृषि से हटकर अनौपचारिक और आकस्मिक रोजगार की ओर पलायन कर रहे हैं, जहां काम काफी छिटपुट और प्रायः तीस दिनों से भी कम का होता है। कई अवसरों पर यह देखा जाता है कि जो महिलाएं श्रम बल में शामिल भी हैं, वे अपने रोजगार की प्रकृति के कारण देश के अधिकांश श्रम कानूनों के दायरे से बाहर रहती हैं, इसमें हाल ही में पारित सामाजिक सुरक्षा संहिता भी शामिल है।

अर्थव्यवस्था में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी और समावेशन सुनिश्चित करने के लिए उनके समक्ष मौजूद बाधाओं को दूर किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें श्रम बाजार तक पहुंच और संपत्ति में अधिकार सुनिश्चित करना और लक्षित ऋण तथा निवेश आदि शामिल हैं। कोरोना महामारी ने पुरुषों से अधिक महिलाओं के रोजगार को प्रभावित किया है।

श्रमबल में हिस्सेदारी करने वाली महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने हेतु मजबूत और सम्मिलित प्रयास किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें महिलाओं के लिए परिवहन, सुरक्षा और छात्रावास की सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ बच्चों की देखभाल और मातृत्व लाभ जैसे सामाजिक सुरक्षा प्रावधान किया जाना शामिल है।

दो सूने मकानों से लाखों का माल उड़ाया

नकदी और जेवरात सहित अन्य माल पर किया हाथ साफ

इंदौर। एक ही थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दो सूने मकानों को चोरों ने निशाना बनाया और यहां से नकदी व जेवरात सहित अन्य माल पर हाथ साफ कर दिया। दोनों ही मकानों से चोर लाखों रुपए का माल चुरा ले गए। दोनों ही मामलों में पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

वारदात अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार शैलेष पिता कैलाशचन्द्र कानूनगो निवासी सेक्ट-डी सुदामा नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रविवार को जब उनके घर पर कोई नहीं था। उस दौरान कोई अज्ञात आरोपी ने फरि0 के घर का ताला तोडकर प्रवेश कर अंदर रखी अलमारी से 1 जोडी सोने के टाप्स, 1 जोडी गोल रिंग कान की, 2 अंगूठी, चांदी की पायजेब 7-8 जोड, चांदी के गिलास 2 नग, चंदी की मूर्ती 3 नग, चांदी के सिक्के 15 नग एवं नगदी 55,000 हजार रुपए चुराकर ले गया। जब परिवार के सदस्य घर पर पहुंचे तो घटना का पता चला।

इसी प्रकार उषा नगर एक्सटेंशन में रहने वाले अंकित पिता हेमंत काटमोरे के यहां भी चोरी की वारदात हो गई। अंकित ने पुलस को बताया कि परिवार के लोग घर पर ताला लगाकर कहीं गए हुए थे। जब लौटे तो वारदात का पता चला। कोई अज्ञात आरोपी ने घर का ताला तोडकर प्रवेश कर अलमारी का ताला तोड़कर उसमे रखे 1 सोने का मंगलसूत्र, 1 अंगूठी एवं नगदी 1,37,000 रुपए चुराकर लेगया।

दो करोड़ रुपए के 558 मोबाइल आवेदकों को लौटाए

इंदौर। पुलिस के सिटीजन कॉप एप्लीकेशन में प्राप्त शिकायतों पर क्राइम ब्रांच ने लगभग 2 करोड रुपए की कीमत के 558 गुम मोबाईल आवेदकों को किये गए वापस। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने ये मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे।

गुम मोबाइल मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों और भारत के अन्य राज्यों जैसे दिल्ली, पंजाब, बिहार, राजस्थान, उडीसा, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि से बरामद किए गए। कमिश्नर सिस्टम लागू होने के बाद क्राइम ब्रांच द्वारा तलाश किए 2311 मोबाइल अभी तक लोगों को मिल चुके हैं। कंट्रोल रुम पर मोबाइल लौटाने के दौरान एडिशनल कमिश्नर क्राइम राजेश हिंगणकर ,पुलिस उपायुक्तनिमिष अग्रवाल एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्तगुरु प्रसाद पाराशर तथा सहायक पुलिस आयुक्त निमेष देशमुख उपस्थित रहे। मोबाइल मिलने पर उसके मालिकों ने पुलिस को धन्यवाद देते हुए आभार माना है।

क्राइम ब्रांच,सायबर सेल द्वारा सिटीजन कॉप एप्लीकेशन के गुम मोबाईल की शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए वर्ष 2022 एवं 2023 की शिकायतों का निराकरण कर करीब दो करोड़ रुपए मूल्य के 558 मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे गए हैं। गुम मोबाईल इंदौर सहित देश के विभिन्न शहरों में चल रहे थे, जिन्हें क्राइम ब्रांच टीम द्वारा बरामद किया गया। टीम ने 558 मोबाईल जब्त किए हैं। इनमें कई बहुत महंगे फोन भी शामिल हैं। बरामद मोबाईल्स में 9 आईफोन,30 वन प्लस, 69 सेमसंग, 89 ओप्पो, 175 वीवो, 95 रेडमी, 76 रियल मी, 2 हॉनर, 6 टेक्नो,एक नोकिया, 4 मोटोरोला, 2 आईटेल आदि कंपनियों के है।

क्राइम ब्रांच द्वारा संचालित सिटीजन काप एप्लीकेशन एक एनराइड फोन एप्लीकेशन है। जिसे आमजन द्वारा प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप्लीकेशन में प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों के संपर्क न बर के अलावा अन्य महत्वपूर्ण फीचर जैसे किसी घटना के संबंध में सीधे ऑनलाईन शिकायत अथवा पुलिस तक सूचना पहुंचाये जाने हेतु रिपोर्ट एन एक्सीडेंट और किसी वस्तु चोरी अथवा गुम होने पर पुलिस में आन लाइन क पलेंट दर्ज कराये जाने हेतु रिपोर्ट लास्ट आर्टिकलकी सुविधा मुहैया कराई गई है।

पुलिस ने अपील की है कि सिटीजन कॉप एण्ड्रायड फोन एप्लीकेशन का उपयोग कर आपराधिक गतिविधियों की सूचनायें तथा इससे संबंधित शिकायते घर बैठे सीधे ऑनलाईन पद्धति के माध्यम से पुलिस तक पहुँचाये। इससे न केवल आपके समय की बचत होगी बल्कि आपकी शिकायतों अथवा सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही करने के लिये पुलिस को मदद मिलेगी।

दो लोगों के मोबाइल उड़ाए

इन्दौर । बदमाशों ने दो लोगों के मोबाइल उड़ा लिए और भाग निकले। एक वारदात में पैदल जा रहे एक व्यक्ति को पीछे से बाइक पर आए बदमाशों ने धक्का दिया और उसका मोबाइल छिनकर भाग निकले।

मामले में पुलसि ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। लसूडिया पुलिस के अनुसार 37 वर्षीय भगवानसिंह पिता बंशीलाला मालवीय निवासी डीपीएस स्कूल के पास निपानिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह समर पार्क कालोनी के गेट नंबर 3 के सामने से पैदल-पैदल अपने घर जा रहा था, तभी पीछे से बाइक सवार युवक आए, इनमें से एक ने मुझे धक्का दिया और मैं गिरकर संभल पाता, तब तक दूसरे ने मोबाइल छिन लिया और दोनों भाग निकले। मैंने उन्हें पकडने के लिए शोर भी मचाया, लेकिन वे तेजी से बाइक दौड़ाते हुए निकल भागे। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इसी प्रकार मनीष पिता अनिल शर्मा निवासी वैभव नगर के साथ भी मोबाइल छीनने की घटना हुई। मनीष के मुताबिक रविवार रात वह घर के पास मोबाइल फोन पर बात कर रहा था तभी काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश आए और उसे धक्का देकर मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कनाडिया पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकडने के लिए नाकेबंदी की मगर कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

किशोरी से छेड़छाड़

इंदौर। एक किशोरी से छेड़छाड़ के मामले में बाणगंगा पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया है। आरोपी ने उसे भगाकर ले जाने का प्रयास भी किया। पुलिस के अनुसार पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर चंदू पिता रूद्रमुनी हरीमठ (23) निवासी स्कीम नं-78 के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता कल कालिंदी गोल्ड इलाके से कहीं पर जा रही थी, तभी रास्ते में आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने का प्रयास किया। विरोध करने पर हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की। इसका भी पीड़िता ने विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला। घर जाकर पीड़िता ने परिजनों को सारी बात बताई तो वे लेकर थाने पहुंचे और चंदू के खिलाफ केस दर्ज कराया। मामले में पुलिस ने आरोपी की तलाश कर रही है।

चार स्थानों से नाबालिग लापता, अपहरण के केस दर्ज

इंदौर। चार अलग-अलग स्थानों से नाबालिग लापता हो गए। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अपहरण के केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

बाणगंगा थाने में माया पति चंदन निवासी नयापुरा अलवासा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कल उनका नाबालिग बेटा घर के सामने से खेलते समयकहीं चला गया। शंका है कि कोठ उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। इसी प्रकार बाणगंगा थाना क्षेत्र के ही जगदीश नगर ग्लोबल स्कूल के पास से एक किशोरी लापता हो गई। उधर, कुंदर नगर में रहने वाली किशोरी के लापता होने के मामले में परिजनों ने द्वारकापुरी थाने में केस दर्ज कराया है। वहीं बडगोदा थानांगत ग्राम लगनसारा से भी एक नाबालिग लापता हो गई। सभी मामलों में पुलिस अपहरण की धाराओं में केस दर्ज कर नाबालिगों की तलाश में जुटी है।

गाड़ी खड़ी करने से रोका तो कर दिया घायल

इंदौर। घर के सामने गाड़ी खड़ी करने से मना करने की बात पर हुए विवाद में एक ने दूसरे को फर्शी से हमला कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पंढरीनाथ पुलिस ने बताया कि घटना कबूतरखाना इलाके की है। यहां रहने वाले गणपत उर्फ रितिक पिता मुकेश सेंगर (22) की शिकायत पर अम्मु पिता अमजद निवासी दरगाह के पास कबूतर खाना के खिलाफ केस दर्ज किया है। कल आरोपी ने फरियादी के घर के पास गाडी खडी की तथा फरि0 द्वारा मना करने पर आरोपी ने फरियादी को गालियां देकर फर्सी के टुकडे से सिर में मारा और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

घायल महिला ने दम तोड़ा

इंदौर। बेटमा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। बेटमा की रनहे वाली संजना पति विक्रम के शव को एमवाय अस्पताल में पोस्टमाटम के लिए भेजा है। बताया जा रहा है कि वह बीते दिनों सड़क हादसे में घायल हो गई थी। हासदा कैसे हुआ यह साफ नहीं हो पाया है।

युवती की आत्महत्या में युवक पर केस

इंदौर। छत्रीपुरा में रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने कुछ दिनों पहले फांसी लगाकर जान दे दी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला है कि वह दो माह से गर्भवती थी। युवती के परिजनों ने बताया कि उसकी एक युवक से पहचान थी। उसने शादी से मना कर दिया था इसी कारण युवती ने आत्महत्या की थी।

पिस्टल के साथ गिरफ्तार

इंदौर। एरोड्रम क्षेत्र में एक युवक को पुलिस ने अवैध पिस्टल मय मैगजीन के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी का नाम सर्वेन्द्र निवासी 15 बटालियन है। इसे शनिवार की रात सुखदेव नगर परिहार धर्मशाला के पास पकड़ा गया।

नशे के लिए बहाया खून

इंदौर। ब्राउन शुगर का नशा करने के लिए रुपए नहीं देने पर बदमाशों ने युवक पर ब्लेड से हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में कृष्णा पिता धर्मेन्द्र चौहान निवासी समाजवाद नगर के साथ शविार की रात हुई। उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने दीपू बसोड निवासी सेठी नगर और सुनील लोधी निवासी लोधा कॉलोनी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। युवक ने बताया कि आरोपियों ने उसे महू नाका चौराहा पर एक्सेस बैंक एटीएम के पास वाली गली में रोका और ब्राउन शुगर पीने के लिए 5 हजार रुपए मांगे थे। नहीं देने पर गालियां दी और ब्लेड से वार कर भाग निकले। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

स्वीगी बाय कर रहा था शराब की तस्करी

डिलेवरी देने से पहले पकड़ाया

इंदौर। शराब तस्करों ने आबाकरी की आंखों में धूल झोंकने के लिए एक नया रास्ता एकतियार कर लिया है। दरसल ये शराब की डिलेवरी देने के लिए स्वीगी बाय का इस्तेमाल कर रहे हैं, ऐसे ही एक स्वीगी बाय को आबकारी की टीम ने पकड़ा जो शराब की डिलेवरी देने से पहले ही उनके हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने आरोपी डिलेवरी बाय के कब्जे से शराब भी बड़ी मात्रा में बरामद की है।

सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के निर्देश पर आबकारी की टीम लगातार अवैध शराब के कारोबार पर प्रहार कर रही है यही वजह है कि लगातर चेकिंग अभियान चलाकर शराब की धरपकड़ की जा रही है। इसी कड़ी में आबकारी की टीम ने एक स्वीगी बाय को पकड़ जो खाने पार्सल डिलेवरी करने के नाम पर शराब की बोतलों को इधर से उधर कर रहा था। दरअसल आबकारी अफसरों को मुखबिर से सूचना मिली की महावर नगर मेनरोड से मोटरसाइकल(एमपी09वीक्यू9277) पर सवार एक युवक बड़ी मात्रा में बैग में भरकर शराब की डिलेवरी देने जा रहा है इस पर टीम ने घेराबंदी कर उसे रोका तो वह वंहा मौजूद जवानों को देखकर भागने लगा इस पर टीम ने दौड़ लगाकर उसे पकड़ा। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मयूर पिता दिनेश साल्वी बताया। वहीं बताया कि वह स्वीगी में डिलेवरी बाय है लेकिन इसकी आड़ में वह शराब की भी सप्लाई करता है। इसके एवज में उसे मोटी रकम मिलती है। टीम ने उसके कब्जे से 12 बोतल विदेशी मदिरा बरामद की है। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है वहीं ये भी पता लगाया जा रहा है कि वह किसके माल की डिलेवरी देता था। आबकारी उसे भी आरोपी बनाएगी।

महाशिवरात्रि व्रत कब है, अबकी बार बना है यह जबरदस्त संयोग

महाशिवरात्रि के व्रत इस बार कई बेहद दुर्लभ योग के बीच रखा जाएगा। 18 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ शनि प्रदोष भी होने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी और शनि दोष भी दूर होगा। इस बार महाशिवरात्रि पर शनि प्रदोष के अलावा कई ऐसे शुभ बन रहे हैं जिनमें शिवजी की उपासना करना परमफलदायी माना जा रहा है और व्रतियों को विशेष रूप से लाभ होगा। आइए देखते हैं कौन-कौन से हैं ये शुभ योग।

महाशिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है। इस साल महाशिवरात्रि 18 फरवरी को है। इस दिन भगवान शिव की विधि विधान से पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है। इस बार की महाशिवरात्रि और भी खास होगी, क्योंकि इस दिन शनि प्रदोष के साथ कई दुर्लभ योग भी बन रहे हैं। शनि प्रदोष का महाशिवरात्रि के साथ होना दुर्लभ संयोग माना जाता है जो कि शनि दोष को दूर करने में बेहद कारगर है। आइए जानते हैं शनि प्रदोष के साथ इस कौन-कौन से अन्य शुभ योग बन रहे हैं।

महाशिवरात्रि पर शनि प्रदोष का योग

महाशिवरात्रि के साथ शनि प्रदोष का होना धार्मिक दृष्टि से बहुत शुभ योग माना जाता है। शनि प्रदोष व्रत पुत्र प्राप्ति की कामना के साथ रखा जाता है। 18 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन शनि प्रदोष होने से भगवान शिव जल्द ही आपकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। इसके साथ यह व्रत शनि दोष दूर करने में बहुत ही उत्तम माना गया है। महाशिवरात्रि पर जल में काले तिल डालकर शिवजी का अभिषेक करने से आपको शनि की महादशा से राहत मिलेगी।

महाशिवरात्रि पर सर्वार्थ सिद्धि योग

महाशिवरात्रि पर शाम 5 बजकर 42 मिनट से 19 फरवरी सूर्योदय तक सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग में शिवजी की पूजा करने से और व्रत रखने से आपको परमसिद्धि की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग धन लाभ और कार्य सिद्धि के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस शुभ योग में कोई भी नया कार्य, बिजनस या फिर नौकरी में नई शुरुआत करना अच्छा परिणाम देने वाली मानी जाती है।

महाशिवरात्रि पर शनि स्वराशि कुंभ में

इस बार महाशिवरात्रि पर शनि भी अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में रहेंगे और 13 फरवरी को कुंभ में सूर्य का प्रवेश भी होगा। इस तरह महाशिवरात्रि पर पिता-पुत्र, सूर्य और शनि एक ही राशि में होंगे। ज्योतिष में पिता और पुत्र सूर्य-शनि के बीच में विरोधी संबंध माने जाते हैं। इसके बावजूद ये इस राशि में शुभ फलदायी होंगे। इस वक?त में शनि अस्त अवस्था में होंगे। जिससे सूर्य का प्रभाव अधिक रहेगा। करियर और आर्थिक मामलों की दृष्टि से यह स्थिति बहुत ही बेहतर मानी जाती है। इस शुभ योग में शिवजी की पूजा करने और व्रत करने से शनि? के सभी दोष दूर हो सकते हैं।

महाशिवरात्रि पर गुरु स्वराशि मीन में

महाशिवरात्रि पर गुरु भी अपनी राशि मीन में होंगे। गुरु मीन राशि में उच्च के होते हैं और स्वराशि में होने पर ये हंस राजयोग बनाएंगे। करियर की दृष्टि से यह स्थिति बहुत ही शुभ मानी जाती है। इस वक्त आप अपने करियर के संबंध में जो भी फैसला लेंगे उसमें आपको लाभ होगा। अगर आप कहीं नए कार्य के लिए जाएं या फिर कहीं नौकरी के सिलसिले में इंटरव्यू देने जाएं तो शिव तांडव स्त्रोत का पाठ करने आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

महाशिवरात्रि पर शुक्र उच्च राशि मीन में

महाशिवरात्रि पर गुरु के साथ ही शुक्र भी मीन राशि में होंगे। ज्योतिष में दोनों ही ग्रह विरोधी स्वभाव के माने जाते हैं, लेकिन अच्छी बात यह है कि शुक्र मीन राशि में उच्च के होंगे। जिससे मालव्य नामक शुभ राजयोग बनेगा। इन सभी शुभ स्थिति में भगवान शिव की पूजा करने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

जानिए शिव का अर्थ, तांडव से लेकर भोलेनाथ तक की क्रिया

शव में ई यानी शक्ति को प्रविष्ट करने की प्रक्रिया है शिव। भारतीय दर्शन में शिव को अंतर्चेतना माना गया है। आध्यात्मिक मान्यताएं शिव को आंतरिक शक्ति मानती हैं। आध्यात्म कहता है कि आत्मा जब किसी खोल में, पिंड में, शरीर में डाल दी गई, तो वह उसके नियम से बंध गई। उससे स्वयं की क्षमता विस्मृत हो गई। जैसे समझ लें कि मेमोरी की फाइल डिलीट कर दी गई, क्योंकि यदि आत्मा का स्वयं की शक्ति से परिचय बना रहता तो इतनी सक्षम उर्जा को एक छोटे से पिंड में बांध पाना संभव ही ना होता। उसे एक अदने से शरीर से बांध कर अदना बना देना संभव ही ना हो पाता। लिहाजा, यह सृष्टि चल ही ना पाती। इस कायनात को चलाने के लिए आवश्यक हो गया कि पहले व्यक्ति से उसके शिव के बोध का विस्मरण कराया जाए यानी शिव से दूर किया जाए। शिवत्व से वंचित किया जाए। अतएव, शरीर में शिवत्व का प्रावधान रखा ही नहीं गया, रचा ही नहीं गया। यदि शिवत्व होता, तो इतनी बड़ी चेतना एक मामूली से पिंड के इशारे पर चल ही ना पाती।

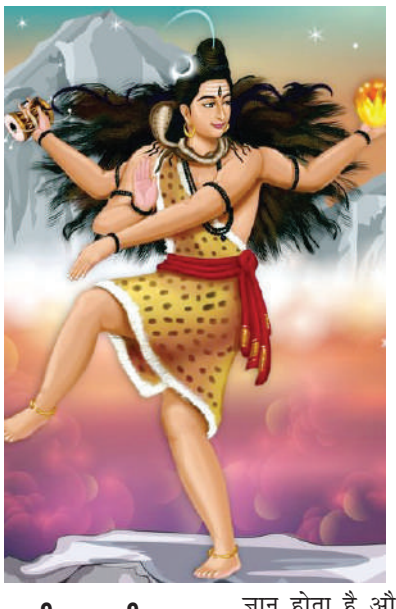

शुभ योग के बीच चार पहर होगी शिवजी की पूजा, जानें पूजा महत्व

कहीं पुनः किसी भी प्रकार से शिवत्व सक्रिय ना हो जाए, इसके लिए अंतःकरण की रचना की गई और उसे शरीर के तत्वों में ना मिलाकर अलग से जोड़ दिया गया। अंतःकरण एक ऐसा औजार है, जिसमें सुरत अर्थात् जीवात्मा की समस्त शक्तियों को निष्क्रिय करने की क्षमता विद्यमान है। यह मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार से निर्मित है। इस अंतःकरण ने रूह को उसके शिव से पूर्णतः अलग-थलग कर दिया। आप मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार में उलझ गए और अपने शिवत्व को भूल बैठे। आपको मन ने उलझा दिया, चित्त ने चित कर दिया। अपनी बुद्धि को ही असली शक्ति समझ बैठे। शिवमय होते हुए भी आप शिवहीन हो गए। बस, यहीं से दुर्भाग्य का आगाज हुआ।

जब युगों-युगों बाद कभी सत्य का ज्ञान होता है और शिव की पहचान करके शिवनेत्र को खोलने में कामयाब हो जाते हो, तब जीवात्मा अपनी उर्जा शिव में अंगीकार होकर जिस रोष का इजहार करती है, उसे ही तांडव कहा गया है।

फाल्गुन के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी की रात्रि में अंतःकरण सबसे कमजोर स्थिति में होता है। यह रात्रि स्वयं से साक्षात्कार के लिए सर्वश्रेष्ठ होती है। इस रात्रि में स्व जागरण सहज हो जाता है। इसी त्रयोदशी को महाशिवरात्रि कहते हैं। आध्यात्मिक मान्यताएं पर्व पर दिवस की जगह रात्रि को महत्वपूर्ण मानता है।

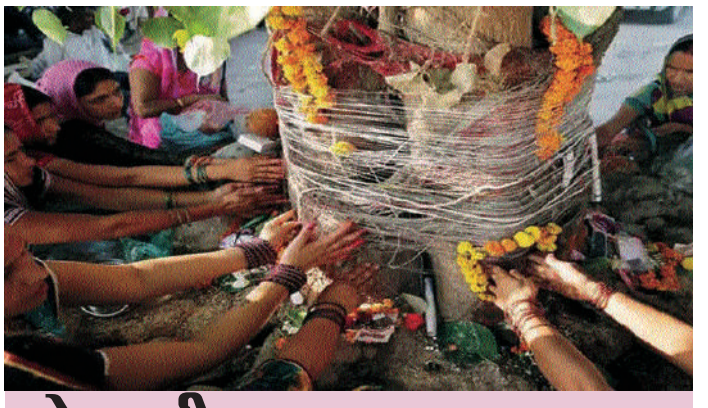

सोमवती अमावस्या पर स्नान-दान का है विशेष महत्व

हिन्दू पंचांग के अनुसार जल्द ही फाल्गुन मास प्रारंभ होने जा रहा है। सनातन धर्म में इस मास को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि फाल्गुन मास में उपवास एवं पूजा-पाठ करने से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और साधकों को विशेष लाभ मिलता है। इस मास में पवित्र स्नना और दान को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। बता दें कि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सोमवती अमावस्या व्रत रखा जाएगा। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का भी विशेष महत्व है। आइए जानते हैं फाल्गुन मास में कब रखा जाएगा सोमवती अमावस्या व्रत और जानिए इस व्रत का अध्यात्मिक महत्व।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि प्रारंभ- 19 फरवरी 2023, दोपहर 02 बजकर 48 मिनट से फाल्गुन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि समाप्त- 20 फरवरी 2023, सोमवार, सुबह 11 बजकर 05 मिनट परउदया तिथि के अनुसार सोमवती अमावस्या व्रत 20 फरवरी 2023 के दिन रखा जाएगा। इस दिन स्नान के लिए सुबह ब्रह्म मुहूर्त समय उत्तम है। पंचांग के अनुसार सोमवती अमावस्या पर अभिजित मुहूर्त सुबह 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। इस अवधि में अन्न, धन या वस्त्र का दान करने से विशेष लाभ मिलता है।

सोमवती अमावस्या तर्पण महत्व

शास्त्रों के अनुसार सोमवती अमावस्या के दिन पवित्र स्नान एवं दान के साथ-साथ तर्पण आदि का भी विशेष महत्व है। इस दिन स्नान के बाद पितरों के आत्मा की शांति के लिए तर्पण आदि जरूर करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और पितर प्रसन्न होते हैं। साथ ही इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की उपासना करने से सभी मनोकामना पूर्ण हो जाती है और जीवन में सभी दुखों का नाश हो जाता है।

" ग्रामीण हो या शहरी – मानव हित का प्रहरी "
मा. नितिन वर्मा जी
MANAV ADHIKAR SANGH
S/1362/SDM/NW/2012
सत्यमेव जयते
को मानव अधिकार संघ के
शहर उपाध्यक्ष पद नियुक्त होने पर
हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाईयाँ
नितिन वर्मा
मा. मुकेश कुमार पांचाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष मानव अधिकार संघ
जगजीत सिंह गांधी जी (रिक्की)
मानव अधिकार संघ शहर अध्यक्ष
बधाईकर्ता – राजा गांधी मित्र मण्डल

शिमरी साड़ी-न्यूड मेकअप लुक, सिद्धार्थ मल्होत्रा के वेडिंग रिसेप्शन में एक्स गर्लफ्रेंड Alia Bhatt ने अदाओं से लूट ली महफिल

सिड- कियारा ने शादी के बाद दिल्ली में रिसेप्शन पार्टी दी थी और कपल ने बीते दिन मुंबई में भी ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होस्ट की. सिड की एक्स आलिया भी उन्हें विश करने पहुंचीं.

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने 7 फरवरी को जैसलमेर के सूर्यगढ़ किले में सात फेरे लेकर ड्रीमी वेडिंग की थी. दोनों की शादी फैमिली और कुछ खास दोस्तों की मौजूदगी में हुई थीं. वहीं अब कियारा और सिद्धार्थ ने दिल्ली के बाद संडे को मुंबई में भी ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन पार्टी होस्ट की थी.

न्यूली वेड कपल सिड-कियारा को विश करने के लिए सिद्धार्थ की एक्स गर्लफ्रेंड आलिया भट्ट भी पहुंची थीं.

एक्स ब्वॉयफ्रेंड सिद्धार्थ और उनकी दुल्हनियां कियारा को विश करने पहुंची आलिया साड़ी में गजब की खूबसूरत लग रही थीं.

सिद्धार्थ और कियारा की रिसेप्शन पार्टी में आलिया भट्ट शिमरी साड़ी पहनकर पहुंची थीं. एक्ट्रेस ने साड़ी के साथ मैचिंग का शिमरी स्लीवलेस ब्लाउज पेयर किया था.इस दौरान आलिया मिनिमल मेकअप में नजर आईं. उन्होंने अपे बालों को खुला छोड़ा था. सिड-कियारा के वेडिंग रिस्पेशन में ओवरऑल आलिया का लुक काफी अट्रैक्टिव लग रहा था.

इस दौरान आलिया ने अपनी अदाओं से जमकर कहर ढाया. उनकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं.

सिड-कियारा की रिसेप्शन पार्टी में आलिया ने कैमरे के लिए जमकर पोज दिए और पैपराजी से खूब तस्वीरें क्लिक कराईं.

आलिया रिसेप्शन पार्टी में अपने साड़ी लुक से छाई रहीं. ओपन हेयर, न्यूड मेकअप के साथ उनका लुक कमाल लग रहा था.

आलिया ने स्माइल के साथ तस्वीरें क्लिक कराई. ये स्मावता दें कि सिद्धार्थ और आलिया ने एक साथ करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड डेब्यू किया था. बाद में दोनों के अफेयर की खबरें भी आई थीं.

इल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही थीं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया और सिद्धार्थ ने दो साल तक डेटिंग की और फिर इनका ब्रेकअप हो गया था. फिलहाल आलिया रणबीर कपूर की वाइफ बन चुकी हैं और इस कपल ने हाल ही में एक बेटी का वेलकम किया था.

कंगना रनौत पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का पलटवार, एक्टर को भी लपेटा, बोलीं- मेरी बच्ची के साथ 2012 में...

नई दिल्ली- कंगना रनौत (चड्डुठ्ठद्दड्डुठ्ठड्डु ऋह्वुड्डुठ्ठड्डुह्लह्ल) ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी की हालत पर दुख जताते हुए उनकी पूर्व पत्नी आलिया की खिंचाई की है. एक्ट्रेस ने कहा कि एक्टर ने पिछले साल जो बंगला खरीदा था, उसे उनकी एक्स वाइफ हथियाना चाहती है. अब आलिया सिद्दीकी ने कंगना रनौत के आरोपों पर पलटवार करते हुए उन्हें जवाब दिया है और वीडियो पोस्ट करके नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अपने रिश्ते को लेकर कई खुलासे किए हैं.

आलिया वीडियो में कहती नजर आ रही हैं, 'मेरे लिए आपकी (कंगना रनौत) बातों की कोई वैल्यू नहीं है. आप एक महान कलाकार हैं. अगर आप महान इंसान बन जातीं, तो किसी की समस्या समझ लेतीं. ये लड़ाई पैसे की नहीं है, न ही बंगले की है, न ही प्रोपर्टी की है. ये लड़ाई मां की एक बच्चे को बचाने की है जो उसकी कस्टडी चाहती है. मेरी बच्ची के साथ जो कुछ हो रहा है, वह आपको नहीं पता. ईश्वर न करे कि किसी को पता चले, क्योंकि ये तकलीफ कोई झेलना भी नहीं चाहेगा.'

स्मृति मंधाना को आरसीबी ने 3.4 करोड़ रुपये में खरीदा, ऐसा है पूरा स्क्वाड

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2023 के पहले संस्करण की नीलामी का आगाज हो गया है। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में जारी महिला आईपीएल ऑक्शन में 448 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया है, जिसमें से 246 प्लेयर्स भारतीय हैं।

गौरतलब हो, विमेंस प्रीमियर लीग के ऑक्शन के लिए कुल 448 खिलाड़ी शॉर्ट लिस्ट हुए हैं, जिनमें से ज्यादा-से-ज्यादा 90 खिलाड़ी बिक सकते हैं। बीसीसीआई ने पांच टीमों के लिए बोली में 4669.99 करोड़ रुपये हासिल करने के बाद इस लीग का प्रसारण अधिकार 951 करोड़ रुपये में बेचा, जिससे डब्ल्यूपीएल इंडियन प्रीमियर लीग के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टी-20 लीग बन गई।

बता दें कि महिला प्रीमियर लीग का पहला सीजन 4 मार्च से 26 मार्च तक आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 22 मैच खेले जाएंगे। महिला प्रीमियर लीग के मुकाबले मुंबई के ब्रेबोर्न और डीवाय पाटिल स्?टेडियम पर खेले जाएंगे। महिला प्रीमियर लीग के पहले संस्करण में पांच फ्रेंचाइजी ने टीमें खरीदी हैं और प्रसारण अधिकार वायकॉम18 को मिले हैं।

नीलामी में सबसे पहला नाम स्मृति मंधाना का आया। भारतीय ओपनर की बेस प्राइस 50 लाख रुपये है। मुंबई और आरसीबी में जंग छिड़ी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 3.4 करोड़ रुपये में स्मृति मंधाना को खरीदा।

टीम से बाहर बैठे गिल को आईसीसी ने दिया बड़ा अवॉर्ड, सिराज रह गए खाली हाथ

आईसीसी हर महीने अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द मंथ के खिताब से नवाजता है। इस खिताब के लिए जनवरी के महीने में भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज और न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे को नामित किया था। गिल ने बाकी के दोनों खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए जनवरी महीने का खिताब जीत लिया है। इस साल की शुरुआत से ही गिल ने पूरी दुनिया में अपने बल्ले से डंका मचाया है।

गिल को आईसीसी अवॉर्ड

भारत के शुभमन गिल ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार दोहरा शतक जड़ा था। अब उनको जनवरी 2023 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ के पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे और हमवतन मोहम्मद सिराज को पीछे छोड़ दिया। यह पहली बार है कि गिल ने वनडे क्रिकेट में प्रदर्शन की एक और अच्छी सीरीज के बाद आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीता है। गिल जनवरी में 567 रनों के साथ शॉर्टलिस्ट में शीर्ष दावेदार थे, जिसमें तीन शतक-प्लस स्कोर शामिल थे। 23 वर्षीय बल्लेबाज ने अपेक्षित रूप से पुरस्कार जीता है। गिल ने जनवरी में अपने आक्रामक स्ट्रोकप्ले से फैंस को प्रभावित किया।

गिल के लिए यादगार रहा पिछला महीना

एक महीने में भारत ने बहुत सारे टी20 और वनडे मैच खेले, जिसमें से गिल के लिए कई मैच यादगार रहे। उनका बेहतरीन प्रदर्शन हैदराबाद में आया, जब न्यूजीलैंड पर रोमांचक जीत में शानदार दोहरा शतक लगाया था। गिल ने नाबाद 208 रन सिर्फ 149 गेंदों में 28 चौकों की मदद से बनाए थे। एक चौंकाने वाली उपलब्धि सिर्फ इसलिए नहीं आई थी कि उन्होंने वनडे फॉर्मेट में सबसे कम उम्र में दोहरा शतक लगाया, बल्कि इसलिए कि उस पिच पर बाकी के बल्लेबाज टिक नहीं पा रहे थे।

धरती को जीने योग्य बनाए रखने के लिए वनों और वन्य-जीवों का संरक्षण जरूरी- मुख्यमंत्री श्री चौहान

फारेस्ट गार्ड, महावत, वाचर तथा घास कटर के कल्याण के लिए बने विशेष नीति

वन्य-जीवों के संरक्षण, पुनर्स्थापन और नेशनल पार्कों के बेहतर प्रबंधन के लिए अधिकारी बधाई के पात्र

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वानिकी सम्मेलन का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को जीने योग्य बनाए रखने के लिए वनों और वन्य-जीवों का संरक्षण जरूरी है। विकास और प्रकृति के बीच द्वंद न हो, समन्वय बना रहे, वन में रहने वालों के लिए वन, आजीविका का सतत रूप से स्रोत बना रहे, इसका ध्यान रखना आवश्यक है। इनके प्रबंधन का दायित्व भारतीय वन सेवा के अधिकारियों पर है। इस दृष्टि से मानव जीवन के सुगम और सतत संचालन के लिए अखिल भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण है। अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन संपूर्ण प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता से करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान भारतीय वन सेवा संघ के दो दिवसीय वानिकी सम्मेलन का शुभारंभ कर रहे थे। प्रशासन अकादमी में हुए कार्यक्रम में वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री माधव सिंह डाबर, अपर मुख्य सचिव वन श्री जे.एन. कंसोटिया, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री रमेश कुमार गुप्ता, अध्यक्ष अखिल भारतीय वन सेवा संघ के श्री अतुल श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रदेश में पदस्थ भारतीय वन सेवा के अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने फिल्म एक्सप्लोरिंग सतपुड़ा का विमोचन किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान को वन मंत्री डॉ. शाह ने तुलसी का पौधा भेंट कर तथा वानिकी सम्मेलन का लेपल पिन लगा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने **वन विभाग- सफलता के नए आयाम** पुस्तिका और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व वेबसाइट, कूनो नेशनल पार्क में चीता पुनर्स्थापन पर बनाई गई फिल्म **कूनो - रिटर्न ऑफ चीता** के टीजर तथा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के प्राकृतिक सौन्दर्य, अद्भुत जैव-विविधता और ईको पर्यटन को दर्शाती **फिल्म एक्सप्लोरिंग सतपुड़ा** का विमोचन किया।

प्रदेश की वन गतिविधियों पर लघु फिल्में बनाई जाए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वन सेवा के अधिकारियों ने वनों को बचाने के साथ उन्हें बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मध्यप्रदेश ने बाघ, तेंदुआ, गिद्ध, घड़ियाल आदि के संरक्षण में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। अब हम देश के इकलौते चीता प्रदेश भी बन गए हैं। पन्ना में बाघों का पुनर्स्थापन भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके लिए वन सेवा के अधिकारी बधाई के पात्र हैं। प्रदेश के पार्कों के प्रबंधन,वन और टाइगर सुरक्षा में भी उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। वनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले फारेस्ट गार्ड, महावत, वाचर तथा घास कटर सहित जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कर्मचारियों के कल्याण के लिए विशेष नीति बनाई जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वन विभाग की सकारात्मक गतिविधियों, वन क्षेत्र तथा वन्य-जीवों के संरक्षण जैसी उपलब्धियों पर लघु फिल्में बना कर सोशल मीडिया पर उनका प्रचार-प्रसार किये जाने की जरूरत रेखांकित की।

गोवर्धन पूजा प्रकृति के संरक्षण का संदेश देती है

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुसार एक ही चेतना सब में है। भारतीय मानस **जिओ और जीने दो** के दर्शन में विश्वास रखता है। इसका अर्थ है कि मानव, जीव-जन्तु, पेड़-पौधे एक ही चेतना के अंग हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुआ जी-20 देशों का सम्मेलन भी एक **धरती- एक परिवार -एक भविष्य** की थीम पर हो रहा है, जो भारतीय विचार का ही विस्तार है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए गोवर्धन पूजा के संदेश में प्रकृति के संरक्षण की भावना निहित है। भारतीय संस्कृति में वटवृक्ष, तुलसी, केला, सुपारी, नारियल की पूजा और भगवानों के वाहनों के रूप में नंदी, मूषक, शेर आदि की पूजा यह बताती है कि मनुष्य मात्र ही नहीं अपितु जीव-जन्तु और पेड़-पौधों का समग्र संरक्षण प्राकृतिक संतुलन के लिए आवश्यक है। यह जरूरी है कि मनुष्य अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए प्रकृति का दोहन करे परन्तु शोषण नहीं। अन्यथा हमें जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का संकट झेलना होगा।

कृषि वानिकी तथा बाँस मिशन की गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में पौध-रोपण के लिए जारी गतिविधियों के सकारात्मक परिणाम आए हैं। मेरे द्वारा प्रतिदिन पौध-रोपण और इसमें जन-सामान्य की भागीदारी को प्रोत्साहित करने से प्रदेशवासी अब अपने जन्म-दिवस, वर्षगाँठ और परिजन की स्मृति में पौध-रोपण कर रहे हैं। पौध-रोपण को जन-अभियान बनाने में सफलता मिली है। अंकुर अभियान का भी इसमें विशेष योगदान है। प्रदेश में कृषि वानिकी, बाँस मिशन की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा वृक्षारोपण से वनीकरण से संबंधित नियमों को सरल बनाने की आवश्यकता है।

पेसा नियम के सफल क्रियान्वयन में वन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में पेसा नियम के सफल क्रियान्वयन में वन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनजातीय समुदाय को तेंदूपत्ता सहित अन्य वनोपज के संग्रहण और उसके विपणन के संबंध में प्रशिक्षण और उसके प्रबंधन में सहयोग देना आवश्यक है। जनजातीय क्षेत्रों में संचालित क्रेशर और गौण खनिज की खदानों के संचालन में भी जनजातीय युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना होगा। जनजातीय भाई-बहनों की जमीन की रक्षा में भी वन विभाग के अमले की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह आवश्यक है कि वन विभाग का अमला वन क्षेत्र में माफियाओं को पनपने नहीं दे और जनजातीय भाई-बहनों के साथ उनका व्यवहार संवेदनशीलता का हो।

वृक्ष दूसरों के लिए जीने की प्रेरणा देते हैं- वन मंत्री श्री शाह

वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में प्रदेश ने वन और वन्य-जीव संरक्षण में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। वृक्ष दूसरों के लिए जीने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा प्रतिदिन पौध-रोपण के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि हम भी पौध-रोपण करें और अपने जीवन को प्रदेश के विकास तथा जन-कल्याण के लिए समर्पित करें।

4 लाख 31 हजार हेक्टयर बिगड़ा वन क्षेत्र अच्छे वन क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ

प्रधान मुख्य वन सरंक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री रमेश कुमार गुप्ता ने वन विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समुदाय आधारित वन प्रबंधन से 1152 ग्राम के 4 लाख 31 हजार हेक्टयर बिगड़े वन क्षेत्र को अच्छे वन क्षेत्र की श्रेणी में शामिल करना संभव हुआ है। विगत चार वर्ष में 20 करोड़ 72 लाख पौधे लगाए गए हैं। ग्रीन इनिशियेटिव में बेम्बूपोल का उपयोग किया जा रहा है। बफर में सफर में 26 गेट प्रारंभ होने से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई और ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ मिलना आरंभ हुआ है। वर्ष 2022 में तेंदूपत्ता का एक हजार करोड़ रूपये का व्यापार हुआ।

जन-हित में हो रहे नवाचार, हितलाभ वितरण भी जारी

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को मिल रही हैं विकास कार्यों की सौगाते

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जन-कल्याण के उद्देश्य से चलाई जा रही विकास यात्राओं के काफी सुखद परिणाम सामने आ रहे है। यात्रा के दौरान मंत्री, सासंद, पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों के जन-प्रतिनिधियों और प्रशासन द्वारा संवाद कर योजनाओं से लाभांवित किया जा रहा है। जन-प्रतिनिधि और अधिकारियों द्वारा शासकीय संस्थाओं यथा स्वास्थ्य केन्द्र, आँगनवाड़ी, राशन दुकान, ग्राम पंचायत कार्यालय, पशु चिकित्सालय, सहकारी साख समिति कार्यालय आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाएँ देखी जा रही हैं। साथ ही जन-कल्याण के लिये विभिन्न योजनाओं में पात्र व्यक्तियों को हितलाभ वितरण और विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया जा रहा है।

विकास यात्रा के 8 दिन में 2305 करोड़ 32 लाख रूपये के 11 हजार 46 विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। इसी प्रकार 1316 करोड़ 2 लाख रूपये के 14 हजार 753 विकास कार्यों का लोकार्पण किया जा चुका है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विकास का यह क्रम 25 फरवरी तक जारी रहेगा। विकास यात्रा में अभी तक 20 हजार 605 ग्राम/वार्ड कवर हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान की मंशानुरूप विकास-यात्रा के दौरान प्रतिदिन जिलों में जन-कल्याण संबंधी नवाचार भी हो रहे हैं। छतरपुर जिले में श्रद्धांजलि योजना चलाई जा रही है। इसमें किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर परिवार को बिना आवेदन किये शासकीय योजनाओं के लाभ तत्काल पहुँचाने की व्यवस्था की गई है। एक दिन में मृत्यु प्रमाण-पत्र के अलावा संबल/कर्मकार मंडल योजना में अंत्येष्टि और अनुग्रह सहायता/ राष्ट्रीय परिवार सहायता, राष्ट्रीय विधवा पेंशन/ कल्याणी पेंशन/ सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभ बिना आवेदन के दिये जा रहे हैं। साथ ही दिव्यांगजन के लिये शिविर लगाकर चिन्हांकन एवं उपकरणों का वितरण किया जा रहा है।

धार जिले में ड्रोन आधरित नैनो यूरिया छिड़काव के प्रदर्शन कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। उमरिया जिले में अति गंभीर कुपोषित बच्चों का समुदाय आधारित देखभाल का अभियान 'कसम' (कम्युनिटी केयर फॉर सम चाइल्ड) संचालित किया जा रहा है। बड़वानी जिले में मिशन बाल शक्ति 2.00 चलाया जाकर चिन्हित अति गंभीर कुपोषित बच्चों, जो कुपोषण पुनर्वास केन्द्र से डिस्चार्ज होकर वापस गाँव आये हैं, के घर पर पोषण समर्थन के लिये ड्राईफ्रूट एवं शुद्ध घी से निर्मित 3 किलोग्राम लड्डू (बाल शक्ति आहार) वितरित किया जा रहा है। साथ ही एनीमिया मुक्ति अभियान चलाया जाकर बालिकाओं तथा महिलाओं का रक्त परीक्षण कर एनीमिया जाँच, आयरन फॉलिक एसिड गोलियों का वितरण एवं परामर्श दिया जा रहा है।डिण्डोरी जिले में विकास यात्रा के दौरान मिलेट उत्पादों के स्टॉल, जैविक खेती का प्रमोशन, स्कूल/छात्रावासों में बच्चों की परीक्षा की तैयारी, यात्रा आने के पूर्व लोक कल्याण शिविर का आयोजन और अच्छे कार्य करने वाले कोटवार, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा रसोइया आदि का सम्मान किया जा रहा है। नर्मदापुरम जिले में सभी पात्र स्कूली छात्रों के जाति प्रमाण-पत्र बनाये जा रहे हैं। इस जिले में सहारा अभियान चला कर दिव्यांगों को श्रवण यंत्र, एमआर किट कत्रिम अंगों के रख-रखाव एवं उपयोग आदि का प्रशिक्षण तथा व्यावसायिक गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाये जा रहे हैं। साथ ही विकास वृक्ष अभियान शुरू कर प्रत्येक ग्राम में 10 पौधों के रोपण का अभियान चलाया जा रहा है।

हरदा जिले में साइबर सखी प्रशिक्षण चलाया जाकर स्कूली बालिकाओं को महिलाओं के साथ होने वाले साइबर अपराधों की रोकथाम के लिये प्रशिक्षण और शासकीय योजनाओं की जानकारी पुलिस बल, शिक्षा तथा महिला बाल-विकास की संयुक्त टीम द्वारा दी जा रही है। खरगोन जिले में सिकल सेल एनीमिया मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही जिले में हितग्राहीमूलक योजनाओं के लाभान्वितों की वार्डवार सूची की बुकलेट और मार्गदर्शिका प्रकाशित की गई है।पन्ना जिले में फाइलेरिया रोधी दवा अभियान चलाया जा रहा है। ग्राम जन सुविधा केन्द्र और ग्राम जन पुस्तकालय खोले गये हैं। जबलपुर जिले में हर पंचायत में घर-घर सर्वे कर प्रत्येक परिवार को समस्त हितग्राहीमूलक योजनाओं में मिलने वाले लाभों की पात्रता और उपलब्धता का सत्यापन किया जा रहा है। इंदौर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों, उत्कृष्ट आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मेधावी छात्रों का सम्मान किया जा रहा है।

प.पू.श्रीमाताजी निर्मला देवी जी के 100वें जन्म महोत्सव पर निकाली जा रही चैतन्य रथ यात्रा 12 फरवरी 2023 को इन्दौर पहुंची । शहर में रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया शहर में विभिन्न स्थानों से होते हुए रथ यात्रा निर्मल धाम आश्रम पहुंची

कार्यक्रम की चित्रमय झलकियां

समयदानी कार्यकर्ताओं को 3 माह के लिए हारी हुई विधानसभाओं में भेजेगी भाजपा, संगठन ने मांगे नाम

जो एक बार जिस विस क्षेत्र में जाएगा, तीन माह वहीं रहेगा, ऐसे कार्यकर्ताओं को खोजेगी भाजपा

विस चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा ने अब हारी हुई विधानसभा सीटों पर फोकस किया है। इसी के तहत भाजपा समयदानी कार्यकर्ताओं को तीन माह के लिए हारी हुई विधानसभाओं में भेजेगी। भाजपा प्रदेश संगठन ने इसके लिए जिला व नगर संगठनों से नाम मांगे हैं। खास बात यह है कि कार्यकर्ताओं को तीन महीने तक हारे हुए विधानसभा क्षेत्र में ही रहना होगा। संगठन का प्रयास है कि पूर्व विधायक, पूर्व पार्षदों, पूर्व नगर व प्रदेश पदाधिकारियों के साथ ही मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को भी इसमें शामिल किया जाए। हालांकि संगठन के लिए यह उतना आसान नहीं होगा, क्योंकि एक साथ तीन माह का समय देना प्रमुख नेताओं व कार्यकर्ताओं के लिए आसान नहीं होगा। बताते हैं कि इंदौर के कार्यकर्ताओं को बाहर भी भेजेंगे, जबकि अन्य जिलों से कार्यकर्ता इंदौर आएंगे। भाजपा के जिला संगठन ने इस मामले में कार्यकर्ताओं से नाम मांगने शुरू कर दिए हैं। जो कार्यकर्ता तैयार होंगे, उनके नाम प्रदेश संगठन को भेजे जाएंगे। वहीं से तय होगा कि किस कार्यकर्ता को किस विधानसभा की जिम्मेदारी सौंपी जाना है।

कौन होंगे समयदानी कार्यकर्ता?

वे कार्यकर्ता जो तीन माह तक एक ही विधानसभा में रह सकें। इस दौरान वे घर नहीं जाएंगे। बहुत जरूरी कार्य होने या किसी खास प्रयोजन से ही वे संगठन की अनुमति से घर जा सकेंगे। ये कार्यकर्ता संबंधित विस में ही किसी कार्यकर्ता के घर रुकते हैं, ताकि रोजाना कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर सकें। बूथ से लेकर मंडल और वार्ड से नगर व जिला स्तर तक के पदाधिकारी इसमें शामिल रहेंगे। खास बात यह है कि संगठन ऐसे कार्यकर्ताओं को अलग श्रेणी में रखता है। जिन्हें उनके कद के अनुसार भविष्य में नगर, जिला या प्रदेश की टीम में शामिल किया जाता है या फिर कोई अन्य अहम जिम्मेदारी दी जाती है।

श्रेय की राजनीति का त्याग कर आरक्षित वर्ग के विद्युत कर्मचारियों के हक में काम करना होगा

बिजली विभाग के अधिकारी/कर्मचारी संघ की बैठक सम्पन्न

इन्दौर । आज समय की मांग है कि अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ भेदभावपूर्ण नीति अपनाकर उनका शोषण किया जा रहा है, इसका मूल कारण हमारे वर्ग में विभिन्न संगठनों का संचालन एवं श्रेय की राजनीति है। ऐसे में हमें समाज व वर्ग को न्याय दिलाने के अपना निजी हित त्याग कर समाज को न्याय दिलाने के लिए संगठन को? मजबूत बनाना ही हमारा ध्येय होना चाहिए।

उक्त निर्णय मध्यप्रदेश विद्युत मंडल पश्चिम क्षेत्र आरक्षित वर्ग अधिकारी/कर्मचारी संघ द्वारा नवीन सभागार, परिसर पोलोग्राउंड में आयोजित सम्मान समारोह तथा महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया।

संघ के अध्यक्ष एवं विजीलेंस के मुख्य अभियंता कैलाश शिवा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संगठन के मुद्दों के साथ ही संगठनात्मक समस्याओं को? लेकर गम्भीरता से विचार मंथन किया गया। बैठक में सभी वक्ताओं ने एकात्मकता के भाव से संगठन एवं समाजहित में काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ संघ के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष वाय. के. शिल्पकार का शाल-श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। बैठक में मुख्य रूप से सचिव माला सेन, मुन्नालाल खरे, अशोक मधुराज, जागेश्वर बरगने, प्रियंका धवन इंटक के रमेश यादव आदि मौजूद थे। अंत में आभार संघ की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती माला सेन ने माना।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)